पाठ 8. क्षेत्रीय आकांक्षाएँ

अध्याय-समीक्षा

- 1980के दशक को स्वायत्तता की माँग के दशक के रूप में देखा जा सकता है | इस दौर में देश के कई हिंस्सा से स्वायत्तात की माँग उठी और इसने संवैधानिक हदों को भी पार किया |राष्ट्र- निर्माण की प्रकिर्या और भारत संविधान के बारे में पढ़ते हुए विविधता के एक बुनियादी सिदांत की चर्चा हमारी नजरो से बार-बार गुजरी है : भारत में विभिन्न क्षेत्र और भाषायी समूहों को अपनी संस्कृति बनाए रखते का अधिकार होगा हमने एकता की भावधारा से बँधे एक ऐसे सामाजिक जीवन के निर्माण होता है |
- एसी व्यवस्था में कभी-कभी तनाव या परेशनिया खरी हो सकती है कभी एसी भी हो सकता है कि राष्ट्रीय एकता के सरोकार क्षेत्रीय आकाक्षाओ और जरूरतों पर भरी पड़े | 1950 के दशक के उतरार्द्र से पंजाबी-भाषी लोगो ने अपने लिए एक अलग राज्य बनाने की आवाज उठानी शुरू कर दी | उनकी मांग आख़िरकार मन ली गई और 1966 में पंजाब और हरियाणा नाम से राज्य बनाये गए |
- आपने जम्मू एवं कश्मीर में जरी हिंसा के बारे में सुना होगा | इसके परिणामस्वरूप अनेक लोगों की जन गई और कि परिवारों का विस्थ्पना हुआ | कश्मीर मुद्दा भारत और पाकिस्तान के बीच एक बड़ा मुद्दा रहा है |1947 से पहली जम्मू एवं कश्मीर में राजशाही थी | इसके हिन्दू शाहसक हरी सिह भारत में शामिल होना नही चाहते थे और उन्हेंने अपने स्वतंत्र राज्य के राज्य के लिए राज्य के लिए भारत और पाकिस्तान के साथ समझौता करने की कोशिश की |
- 1965 के हिन्दी विरोध आन्दोलन की सफलता ने डीएमके को जनता के बीच और भी लोकप्रिय बना दिया | और मार्च 1948 में शेख अब्दुल्ला जम्मू- कश्मीर राज्य के प्रधनमंत्री बने इसे संविधान में धारा 370 का प्रावधान करके संवैधनिक दर्जा दिया था |
- आप जानते है कि कश्मीर में धारा 370 के तहत विशेष दर्जा दिया गया है | धारा 370 एवं 371 के तहत किए गए विशेष प्रावधनो के बरी में आपने पिछले वर्ष भारतीय संविधान : सिदांत और व्यवहार में पढ़ा होगा धारा 370 के तहत जम्मू एवं कश्मीर को भारत लागू होता है |
- 1953 में शेख अब्दुल्ला को बर्खास्त कर दिया गया | सालो तक उन्हें नजरबंद रखा गया | 1953 से लेकर 1974 के बीच अधिकास समय इस राज्य की राजनीति पर कांग्रेस का असर रहा | कमजोर हो चुकी नेशनल कनोफेर्स (शेख अब्दुल्ला के बीना) कांग्रेस के समर्थन राज्य में कुछ समय तक सतासीन रही लेकिन बाद में वह कांग्रेस में मिला गई |
- प्रधनमंत्री इंदिरा गाँधी की 31 अक्टूबर 1984 के दिन उनके आवास के बहार उन्ही के अंगरक्षक सीखे थे और आपरेशन ब्लू स्टार का बदला लेना चाहते थे | एक तरफ पूरा देश इस घटना से शोक-संतप्त था तो दूसरा तरफ दिल्ली सहित उतर भारत में कोई हिन्स्सा में सिख समुदाय के विरूद हिंसा भरक उठी |
- पूर्वोतर में क्षेत्रीय आकाक्षाएँ 1980 के दशक में एक निर्णयात मोड़ पर आ गई थी | । क्षेत्र में साथ राज्य है और इन्ही सात बहने कहा जाता है | 4 फीसदी आबादी निवास करती है | 22 किलोमीटर लबी एक पतली -सी रहदारी इस इलाके को शेष भारत से जोडती है |
- 1979से 1985 तक चला असम आन्दोलन बाहरी लोगों के खिलापो चले आंदोलनों का सबसे अच्छा उदाहरण है |1979 में आंल असम स्टूडेट्स यूनियन (आसू-AASU) ने विदेशियों के विरोध में एक आन्दोलन चलाया |
- पहला और बुनियादी सबका तो यही है कि क्षेत्रीय आकांक्षाएं लोकतांत्रिक राजनीति का अभिन्न अंग हैं | तीसरी सबक है सता की साझेदारी के महत्व को समझना | सिर्फ लोकतात्रिक ढाँचा खड़ा कर लेना ही काफी नही है |

अभीयास

Q1. निम्नलिखित मे मेल करे :

अ	ब
क्षेत्रीय आकाङ्क्षाओ की प्राकृति	राज्य
(क) सामाजिक-धार्मिक पहचान के आधार पर राज्य क निर्मान	(i) नगालैण्ड् /मिजोरम
(ख) भाषायी पहचान और केन्द्र के साथ तनाव्	(ii) झारखण्ड /छतीसगदः
(ग) क्षत्रीय सन्तुलन के फलस्व्रूप राज्य क निर्मान	(iii) पंजाबी
(घ) आदिवासी पहचान के आधार पर अलगाववदी माँग	तमिलनाडू

Q2. पूव्रोतर् के लोगोन की क्षेत्रीय आकक्षाओ की आभिव्यक्ति कई रूपों में होता है | बाहरी लोगों के खिलाफ आन्दोलन , ज्यादा स्वायत्तता की मांग के आन्दोलन और अलग देश बनाने देश बनाने की माँग करना -एसी ही कुछ अभिव्यक्ति हैं | पूर्वैतर के मानचित्र पर इन तीनों के लिए अलग-अलग रंग भरिए और दिखाए कि राज्य में कौन-सी प्रवृति ज्यादा प्रबल है |

Q3. पंजाब समझौता के मुख्या प्रावधान क्या थे ? क्या ये प्रावधन पंजाब और उसके पड़ोसी राज्यों के बीच तनाव बढ़ाने के कारण बन सकते हैं ? तर्क सहित उतर दीजिए |

Q4. आनन्दपूर साहिब प्रस्ताव के विवादास्पद होने के क्या कारण थे ?

Q5. जम्मू-कश्मीर की अंदरुनी विभिन्नताओ की व्याख्या कीजिए और बताई कि इन विभिन्नताओ के कारण इस राज्य में किस तरह अनेक क्षेत्रीय आकांक्षाओ ने सर उठाया है |

Q6. कश्मीर की क्षत्रीय स्वायत्तता के मसले पर विभिन्न पक्ष क्या हैं ? इनमे कौन-सा पक्ष आपको समुचित जान पड़ता है ? अपने उतर के पक्ष में तर्क दीजिए |

Q7. असम आन्दोलन सांस्कृतिक अभिमान और आर्थिक पिछड़ेपन की मिली -जुली अभिव्यक्ति था | व्याख्या कीजिए |

Q8. हर क्षेत्रीय आन्दोलन अलगाववादी माँग की तरफ अग्रसर नही होता |इस अध्याय से उदहारण देकर इस तथ्य की व्याख्या कीजिए |

Q9. भारत के विभिन्न भागो से उठने वाली क्षेत्रीय मांगो से विविधता में एकता के सिदान्तकी अभिव्यक्ति होती है | क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? तर्क दीजिए |

Q10. नीचे लिखे अवतरण को पढ़े और इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उतर दें :

हजारिका का एक गीत ...एकता की विजय पर है : पूर्वोतर के सात राज्यों को गीत में एक ही माँ की सात बेटियाँ कहा गया है .... मेघालय अपने रस्ते गई ... अरूणाचल भी अलग हुई और मिजोरम असम के द्वारा पर दूल्हे की तरह दूसरी बेटी से ब्याह रचाने को खड़ा है....इस गीत का अंत असमी लोगों की एकता को बनाए रखने के संकल्प के साथ होता है | और इसमे समकालीन असम में मौजूद छोटी-छोटी कौमों को भी अपने साथ एकजुट रखने की बात कही गई है ..... करबी और मिजिंग भाई -बहन हमारी ही प्रियजन हैं |

(क) लेखक यहाँ किस एकता की बात कह रहा है ?

(ख) पुराने राज्य असम से अलग करके पूर्वोतर के अन्य राज्य क्यों बनाए गए ?

(ग) क्या आपको लगता है कई भारत के सभी क्षेत्रों के उपर एकता की यही बात लागो हो सकती है ? क्यों ?